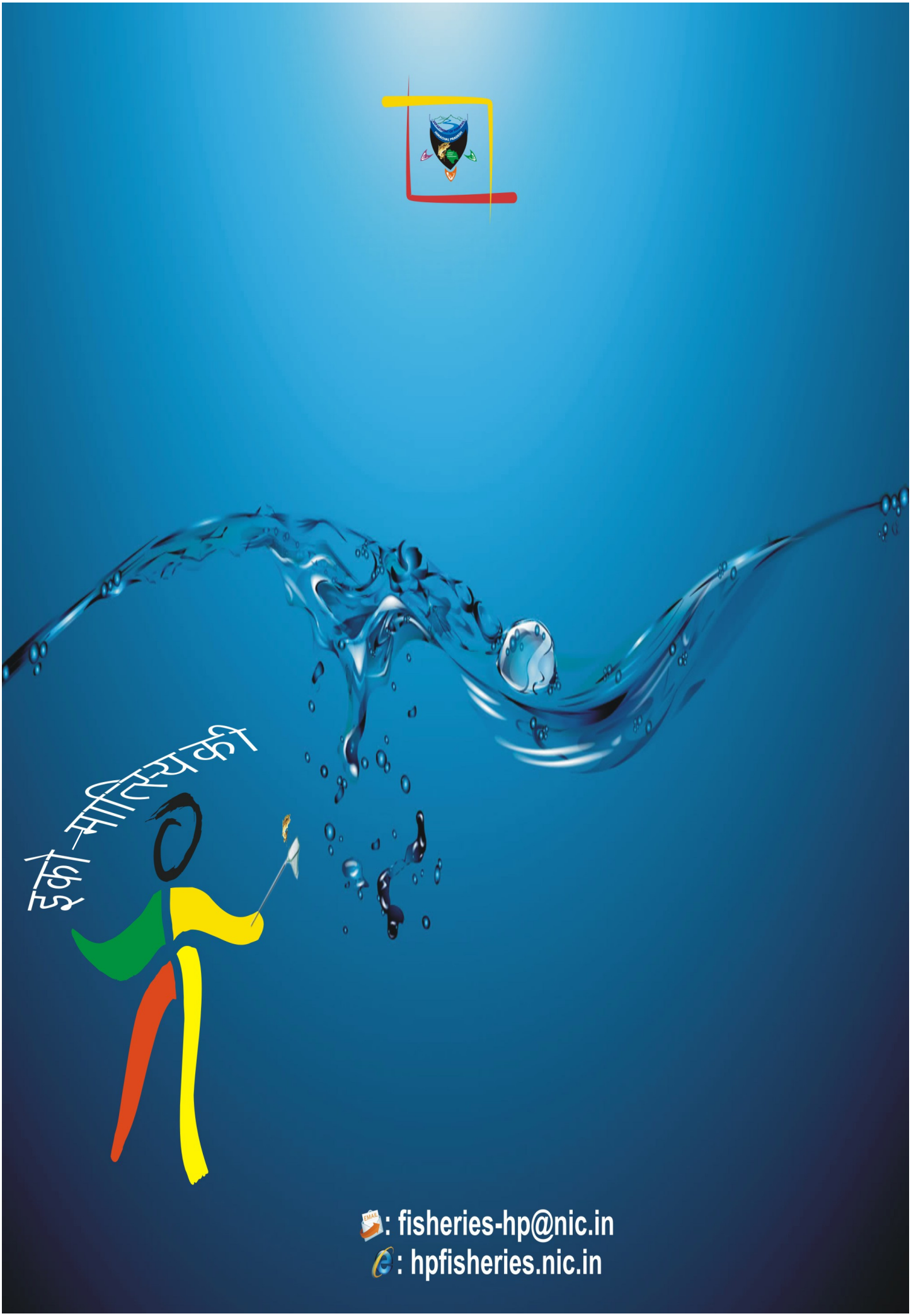
इको मत्स्यकी
: fisheries-hp@nic.in
: hpfisheries.nic.in

भूमिका

राज्य के जलाशय व नदीय मात्स्यिकी संसाधनों का संरक्षण करना विभाग के मुख्य उद्देश्यों में से एक है। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतू मात्स्यिकी विभाग, हिमाचल प्रदेश विभिन्न पारिस्थितिकी व आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण मछली प्रजातियों को नियमित तौर पर राज्य की जल संपदाओं में संग्रहित करता रहता है। इस प्रकार विभाग प्रकृति की ओर अपने उत्तरदायित्व की पूर्ति करने में एक अहम भूमिका निभा रहा है। नियमित संग्रहण के साथ संरक्षण कार्य भी विभाग के प्रबंधन प्रणाली का प्रमुख भाग है। राज्य की सभी नदियां, सहायक नदियां, धाराएं, तालाब व जलाशय समय-समय पर विभागीय फार्मों अथवा राज्य के बाहर से आयात किए गए मत्स्य बीज से संग्रहित किए जाते हैं। इस प्रकार राज्य के जलों में मत्स्य धन स्थायी रूप से रखा जाता है। हिमाचल प्रदेश मात्स्यिकी अधिनियम, 16-1976 के अनुसार राज्य के धार्मिक जलों में मछली पकड़ना पूर्ण रूप से वर्जित है। मात्स्यिकी के सतत विकास हेतू हाल ही में की गई अहम गतिविधियों का विवरण इस प्रकार है:-

मत्स्य बीज

कार्प अंगुलिकाएं

ट्राउट अंगुलिकाएं

मत्स्य बीज पैकिंग

पैक किया हुआ मत्स्य बीज

रिवालसर में मत्स्य संग्रहण
दिनांक : मार्च 21, 2014

मछली की सैंपलिंग

मत्स्य धन इकट्ठा करना

मत्स्य धन इकट्ठा करना

नदी में संग्रहण

सांगला की नदियों में ट्राउट बीज संग्रहण

1

2

3

4

जलाशयों में मत्स्य बीज संग्रहण

1

2

3

4

गोबिंद सागर जलाशय में लठियानी घाट पर मत्स्य बीज संग्रहण (दिनांक : जून 24, 2014)

1

2

3

4

जल संसाधनों का नियमित सर्वेक्षण

मछुआरों से पूछताछ

मत्स्य अधिकारी द्वारा
नियमित गश्त लगाना

पानी के तापमान की
नियमित जांच

संरक्षण हेतू मोटर बोट

कुल्लू में ट्राउट बीज संग्रहण

"Greatness of a nation can be judged by the way its animals are treated."

Mahatma Gandhi

Email id: fisheries-hp@nic.in
Website: hpfisheries.nic.in